कालाज़ार का उन्मूलन

स्रोत: द हिंदू

भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) प्रमाणन मानदंडों को पूरा करते हुए, लोक स्वास्थ्य समस्या के रूप में कालाज़ार के उन्मूलन के काफी करीब है।

- कालाज़ार को समाप्त करने के क्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्रमाणन प्राप्त करने के लिये, किसी देश को **लगातार तीन वर्षों** तक उप-ज़िला स्तर पर **प्रति 10,000 जनसंख्या पर एक से भी कम मामले का** स्तर बनाए रखना होता है।
  - किसी देश को यह प्रदर्शित करना होता है कि **स्थानीय संचरण एक निश्चित अवधि के लिये रुक गया है तथा रोग के पुनः उभरने को रोकने** की प्रणाली मौजूद है।
- **भारत ने लगातार दो वर्षों** तक यह उपलब्धि हासिल की है तथा प्रमाणन के लिये अर्हता प्राप्त करने हेतु उसे **एक और वर्ष** तक इस स्तर को **बनाए रखना होगा।**
  - इसके साथ ही भारत, **बांग्लादेश के बाद** कालाज़ार को खत्म करने वाला **विश्व** का **दूसरा देश बन सकता है।**
- भारत में मलेरिया **के बाद** कालाज़ार **दूसरा सबसे घातक** परजीवी रोग है।
- कालाज़ार **(विसरल लीशमैनियासिस या काला बुखार)** एक **प्रोटोजोआ परजीवी** (लीशमैनिया डोनोवानी) **के कारण होता है जो संक्रमित मादा** सैंडफ्लाई के काटने से फैलता है।
  - यदि इसका उपचार न किया जाए तो **95% से अधिक** मामलों में यह **घातक हो सकता है।**
- **भारत ने वर्ष 2020** तक कालाज़ार को खत्म करने का लक्ष्य रखा जबकि **विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने** उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग रोडमैप के तहत **वर्ष 2030** तक इसके वैश्विक उन्मूलन का लक्ष्य रखा है।

//

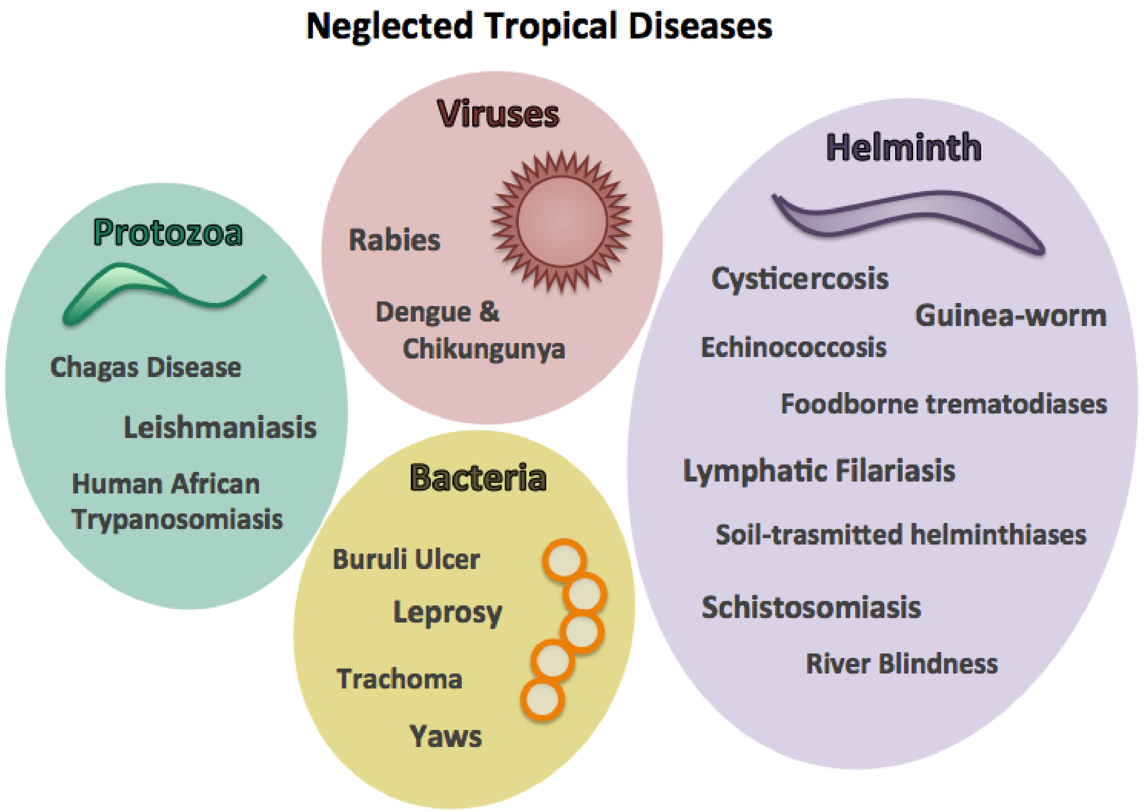

और पढ़ें: उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों पर वैश्विक रिपोर्ट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eliminating-kala-azar